

PAPER-II MARATHI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

OMR Sheet No. :
(To be filled by the Candidate)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

J 3 8 1 1

Time : 1 ¼ hours]

[Maximum Marks : 100

Number of Pages in this Booklet : 8

Number of Questions in this Booklet : 50

Instructions for the Candidates

- Write your roll number in the space provided on the top of this page.
- This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
- At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
- Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

Example : (A) (B) (C) (D)

where (C) is the correct response.
- Your responses to the items are to be indicated in the **Answer Sheet given inside the Paper I Booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
- Read instructions given inside carefully.
- Rough Work is to be done in the end of this booklet.
- If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, you will render yourself liable to disqualification.
- You have to return the test question booklet and OMR Answer sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
- Use only Blue/Black Ball point pen.
- Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
- There is no negative marks for incorrect answers.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

- पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
- इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
- परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
 - इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।

उदाहरण : (A) (B) (C) (D)

जबकि (C) सही उत्तर है ।
- प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नानंकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
- अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
- कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
- यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
- आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
- केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
- किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
- गलत उत्तरों के लिए कोई अंक काटे नहीं जाएँगे ।

MARATHI
मराठी
Paper – II
प्रश्नपत्रिका – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

सूचना : या प्रश्नपत्रिकेत **पन्नास (50)** बहुविकल्पी प्रश्न आहेत. प्रत्येक प्रश्नास **दोन (2)** गुण आहेत. **सर्व** प्रश्नांची उत्तरे द्यावीत.

1. यादव रामचंद्र देव याच्या वेळचा उन्हकदेव शिलालेख कोणत्या शकातील आहे ?
(A) शके १२०१ (B) शके १२१०
(C) शके ११५० (D) शके १२००
2. मराठी, गुजराती, बांगला, हिंदी या भाषा कोणत्या भाषाकुलातील आहेत ?
(A) द्राविडी
(B) ऑस्ट्रो-आशियाई
(C) इंडोयुरोपियन
(D) सिनो-तिबेटियन
3. “जगी सांगतात प्रीत पतंगाची खरी । झड घालून प्राण देतो दीपकाचे वरी ।।” ही काव्यपंक्ती कोणाची ?
(A) रामजोशी (B) परशराम
(C) सगनभाऊ (D) होनाजी बाळा
4. “करितो कवित्व म्हणाल हे कोणी । नव्हे माझी वाणी पदरीची ।।” ही काव्यपंक्ती कोणाची ?
(A) ज्ञानदेव (B) तुकाराम
(C) एकनाथ (D) निळोबा
5. ‘खड्यांची लढाई’ हा पोवाडा पुढीलपैकी कोणी लिहिला ?
(A) प्रभाकर (B) रामजोशी
(C) पठ्ठे बापूराव (D) अनंतफंदी
6. पुढीलपैकी कोणते काव्य एकनाथांचे आहे ?
(A) समश्लोकी टीका
(B) चतुःश्लोकी भागवत
(C) श्लोक केकावली
(D) श्लोक रामायण
7. पुढीलपैकी कोणती बखर पेशवेकालीन घटनाप्रसंगाचे वर्णन करीत नाही ?
(A) भाऊसाहेबांची कैफियत
(B) होळकरांची कैफियत
(C) पेशवे बखर
(D) राक्षेसतागडीची बखर
8. सुपरिटेंडेंट > सुप्रिटेंड, लायब्रेरी > लायब्री, सुके केळे > सुकेळे, पिपासा > प्यास ही कोणत्या प्रकारच्या स्वनपरिवर्तनाची उदाहरणे आहेत ?
(A) सदृशीकरण (B) विसदृशीकरण
(C) स्वनव्यत्यास (D) सदृशस्वनलोप
9. शब्दाचा उपयोग पूर्वीपेक्षा अधिक संदर्भात केला जाऊ लागला की अर्थपरिवर्तनाची कोणती प्रक्रिया घडते ?
(A) अर्थांतर (B) वस्तुरूपांतर
(C) अर्थसंकोच (D) अर्थविस्तार
10. चतुर्मुख, गजानन, दुराव हे शब्द कोणत्या प्रकारच्या रचनेची उदाहरणे आहेत ?
(A) अंतःपद प्रधान रचना
(B) नामपदबंध
(C) शब्दयोगीपदबंध
(D) बाह्यपदप्रधान रचना
11. समान अर्थ असणाऱ्या, परस्परंशी पूरक अथवा मुक्त विनियोगाने संबंधित असणाऱ्या आणि व्याकरणिक साम्य असणाऱ्या रूपिकांचा प्रतिनिधी म्हणजे काय ?
(A) स्वनिम (B) पदस्वनिमिकी
(C) सुरावली (D) रूपिम

12. 'सतराव्या शतकातील गोमंतकीय बोली' हा ग्रंथ कोणी लिहिला ?

- (A) शं.गो. तुळपुळे
(B) गं.ना. मोरजे
(C) अ.का. प्रियोळकर
(D) वि.बा. प्रभुदेसाई

13. 'वडिलांनी मुलाला शाळेत घातले' या वाक्यातील प्रयोग कोणता ?

- (A) कर्म-भाव-संकर
(B) कर्तृ-कर्म-संकर
(C) अकर्मक भावे
(D) कर्तरी

14. पुष्प, जल, ग्रंथ, भगवान हे शब्द कोणत्या प्रकारचे आहेत ?

- (A) तद्भव (B) तत्सम
(C) सामासिक (D) देशी

15. शेजारीपाजारी, झाडबीड, बारीकसारीक, अघळपघळ या शब्दांना काय म्हणतात ?

- (A) अंशाभ्यस्त शब्द
(B) अनुकरणवाचक शब्द
(C) पुनरुक्त शब्द
(D) पूर्णाभ्यस्त शब्द

16. आर्जव हा शब्द कोणत्या भाषेतून मराठीत आला ?

- (A) संस्कृत (B) फार्सी
(C) पाली (D) कन्नड

17. खोत हा शब्द कोणत्या भाषेतून मराठीत आला ?

- (A) तुर्की (B) अरबी
(C) गुजराती (D) बांगला

18. पुढील नाटके कालक्रमानुसार क्रमाने लावा :
'नटसम्राट', 'महानिर्वाण', 'सखाराम बाइंडर',
'रायगडाला जेव्हा जाग येते'

- (A) 'नटसम्राट', 'रायगडाला जेव्हा जाग येते', 'महानिर्वाण', 'सखाराम बाइंडर'
(B) 'रायगडाला जेव्हा जाग येते', 'नटसम्राट', 'सखाराम बाइंडर', 'महानिर्वाण'
(C) 'महानिर्वाण', 'नटसम्राट', 'सखाराम बाइंडर', 'रायगडाला जेव्हा जाग येते'
(D) 'सखाराम बाइंडर', 'महानिर्वाण', 'रायगडाला जेव्हा जाग येते', 'नटसम्राट'

19. कवितासंग्रह व कवी यांच्या जोड्या लावा.

- (a) 'चैत्रबन' (i) दिलीप पुरुषोत्तम चित्रे
(b) 'दशपदी' (ii) ना.धों. महानोर
(c) 'कविता' (iii) ग.दि. माडगूळकर
(d) 'रानातल्या कविता' (iv) अनिल

(v) इंद्रजित भालेराव

- (a) (b) (c) (d)
(A) (ii) (v) (iii) (i)
(B) (iii) (i) (iv) (ii)
(C) (iii) (iv) (i) (ii)
(D) (iv) (iii) (v) (i)

20. ग्रंथ व ग्रंथकार यांच्या जोड्या लावा.

- (a) 'भारतीय संस्कृती' (i) ग.त्र्यं. देशपांडे
(b) 'भारतीय स्त्रीजीवन' (ii) साने गुरुजी
(c) 'भारतीय तत्त्वज्ञान' (iii) गीता साने
(d) 'भारतीय साहित्यशास्त्र' (iv) श्रीनिवास दीक्षित

(v) मे.पुं. रेगे

- (a) (b) (c) (d)
(A) (ii) (iii) (iv) (i)
(B) (iii) (i) (iv) (ii)
(C) (iii) (iv) (i) (ii)
(D) (iv) (iii) (v) (i)

21. रूपवादी समीक्षेमध्ये वापरली जाणारी रूपतत्त्वे व ती मांडणारे रूपवादी विचार-वंत यांच्या जोड्या लावा.

- | | |
|---|-------------------------|
| (a) अर्थपूर्ण रूपबंध
(सिग्निफिकंट फॉर्म) | (i) विल्यम
एंप्सन |
| (b) अपरिचितकरण
(डीफॉर्मिलियरायझेशन) | (ii) हॅरॉल्ड
ऑस्बर्न |
| (c) अनेकार्थता
(अंबिग्युइटी) | (iii) क्लाइव्ह बेल |
| (d) सेंद्रीय एकात्मता
(ऑर्गॅनिक युनिटी) | (iv) रशियन
रूपवादी |
| | (v) कांट |

(a) (b) (c) (d)

- (A) (iii) (iv) (i) (ii)
 (B) (iii) (i) (iv) (ii)
 (C) (iii) (iv) (i) (ii)
 (D) (iv) (iii) (v) (i)

22. पुढील समीक्षाग्रंथ व समीक्षक यांच्या जोड्या लावा.

- | | |
|---------------------|-------------------------|
| (a) 'टीकाविवेक' | (i) भालचंद्र नेमाडे |
| (b) 'टीकास्वयंवर' | (ii) आनंद पाटील |
| (c) 'टीकावस्त्रहरण' | (iii) श्रीधर तिळवे |
| (d) 'टीकाहरण' | (iv) श्री के. क्षीरसागर |
| | (v) मिलिंद मालशे |

(a) (b) (c) (d)

- (A) (iii) (iv) (i) (ii)
 (B) (iv) (i) (ii) (iii)
 (C) (iii) (iv) (i) (ii)
 (D) (iv) (iii) (v) (i)

23. "शरच्चंद्र चट्टोपाध्याय यांच्या सर्व कादंबऱ्यांचे अनुवाद मराठीत झालेले आहेत आणि त्यांतील बहुतांश अनुवाद भा.वि. वरेरकर यांनी केलेले आहेत."

- (A) वरील विधान पूर्णतः चुकीचे आहे.
 (B) वरील विधान पूर्णतः बरोबर आहे.
 (C) वरील विधानातील पूर्वार्ध बरोबर आहे, पण उत्तरार्ध चुकीचा आहे.
 (D) वरील विधानातील पूर्वार्ध चुकीचा आहे, पण उत्तरार्ध बरोबर आहे.

24. पुढीलपैकी कोणत्या नाटककाराच्या सर्व नाटकांचे मराठीत अनुवाद झालेले आहेत ?

- (A) गिरीश कर्नाड (B) बादल सरकार
 (C) रतन थिय्याम (D) इंदिरा पार्थसारथी

25. एकोणिसाव्या शतकात 'अरेबियन नाइट्स' चा मराठी अनुवाद _____ यांनी केला; तथापि त्याचा यथामूल अनुवाद विसाव्या शतकात _____ यांनी केला.

- (A) कृष्णशास्त्री चिपळूणकर / गो.के. भट
 (B) विष्णुशास्त्री चिपळूणकर / गौरी देशपांडे
 (C) विष्णुशास्त्री चिपळूणकर / गो.के. भट
 (D) कृष्णशास्त्री चिपळूणकर / गौरी देशपांडे

26. मम्मटाने सांगितलेल्या सहा काव्यप्रयोजनांचे वर्गीकरण कसे करता येते ?

- (A) दोन कविगत, तीन रसिकगत आणि एक उभयविध
 (B) दोन कविगत, एक रसिकगत आणि तीन उभयविध
 (C) दोन कविगत आणि चार रसिकगत
 (D) सहाही उभयविध

27. ध्वनिसिद्धांताचे प्रवर्तन कोणी केले ?

- (A) आनंदवर्धन आणि अभिनवगुप्त
 (B) भामह आणि दंडी
 (C) कुंतक आणि भोज
 (D) विश्वनाथ आणि जगन्नाथ

28. “व्यक्तीला निवडीचे स्वातंत्र्य असते आणि निवडीच्या परिणामांची जबाबदारी सर्वस्वी त्या व्यक्तीचीच असते” असे तत्त्वज्ञान कोणत्या साहित्यसंप्रदायाचा पाया आहे ?
 (A) वास्तववाद (B) स्वच्छंदवाद
 (C) अस्तित्ववाद (D) अभिजातवाद
29. “संस्कृत साहित्यविचारातील ‘तंत्रयुक्त्या’ ही संकल्पना आधुनिक शैलीविज्ञानाला खूप जवळची आहे” असे मत कोणी मांडले ?
 (A) वा.के. लेले (B) रा.शं. वाळिंबे
 (C) स.रा. गाडगीळ (D) ग.त्र्यं. देशपांडे
30. शैलीविज्ञानातील बऱ्याचशा संकल्पना पुढीलपैकी कोणत्या विज्ञानाशी संबद्ध आहेत ?
 (A) मनोविज्ञान (Psychology)
 (B) भाषाविज्ञान (Linguistics)
 (C) पदार्थविज्ञान (Physics)
 (D) जीवविज्ञान (Biology)
31. ‘प्रतिभासाधन’, ‘प्रतिभाविलास’, ‘लघुकथा : मंत्र आणि तंत्र’ या तीन ग्रंथांपैकी कोणत्या ग्रंथांचे लेखक ना.सी. फडके हे आहेत ?
 (A) दुसरा आणि तिसरा
 (B) पहिला आणि तिसरा
 (C) पहिला आणि दुसरा
 (D) सर्व तिन्ही
32. कोलरिजने कोणत्या दोन प्रकारच्या कल्पनाशक्ती मानल्या आहेत ?
 (A) आर्डिनरी इमेजिनेशन व पोएटिक इमेजिनेशन
 (B) प्रायमरी इमेजिनेशन व सेकंडरी इमेजिनेशन
 (C) इंडिक्विज्युअल इमेजिनेशन व युनिव्हर्सल इमेजिनेशन
 (D) स्पेसिफिक इमेजिनेशन व जनरल इमेजिनेशन
33. “स्त्रीवादी समीक्षापद्धती फक्त स्त्रियांनी लिहिलेल्या साहित्याची चिकित्सा करते आणि असा निष्कर्ष काढते की स्त्रियांनी निर्माण केलेले सारे साहित्य स्त्रीवादी असतेच असे नाही.”
 (A) वरील विधानातील पूर्वार्ध चुकीचा, पण उत्तरार्ध बरोबर.
 (B) वरील विधानातील पूर्वार्ध बरोबर, पण उत्तरार्ध चुकीचा.
 (C) वरील विधान पूर्णतः बरोबर आहे.
 (D) वरील विधान पूर्णतः चुकीचे आहे.
34. ‘प्रिय वासंती, स्नेहपूर्वक नमस्कार’ असा मायना कोणी कोणाला लिहिलेल्या पत्रात उचित दिसेल ?
 (A) आईने मुलीला लिहिलेले पत्र
 (B) मैत्रिणीने / मित्राने मैत्रिणीस लिहिलेले पत्र
 (C) शिक्षकांनी विद्यार्थिनीस लिहिलेले पत्र
 (D) अधिकाऱ्याने कर्मचारी स्त्रीस लिहिलेले पत्र
35. बातमीलेखनाची भाषा कशी असावी ?
 (A) विस्तृत, पांडित्यपूर्ण, अलंकारिक
 (B) नेमकी, सुबोध, अर्थपूर्ण
 (C) कायदेशीर, समतोल, निःपक्षपाती
 (D) संवादात्मक, खेळीमेळीची, भावपूर्ण
36. जाहिरातीच्या प्रभावी मथळ्याचे रहस्य कोणते ?
 (A) चटकन समजणारा संदेश
 (B) नादमयता
 (C) भावनात्मकता
 (D) विचार करायला प्रेरणा
37. जाहिरातीचा मुख्य उद्देश कोणता ?
 (A) उत्पादनाचे वर्णन करणे
 (B) रंजन करणे
 (C) करात सूट मिळवणे
 (D) उत्पादनाविषयी आकर्षण निर्माण करणे
38. ‘आर्ट्स अँड मॅन’ हा ग्रंथ कोणी लिहिला ?
 (A) गणेश देवी
 (B) एडवर्ड सैद
 (C) बाळ सीताराम मर्ढेकर
 (D) हॅरॉल्ड ब्लूम

39. पुढीलपैकी कोणता कवितासंग्रह नारायण सुर्वे यांचा नाही ?
 (A) 'ऐसा गा मी ब्रह्म'
 (B) 'जाहीरनामा'
 (C) 'माझे विद्यापीठ'
 (D) 'ज्वाला आणि फुले'
40. "काव्यलेखनाची भाषा पूर्णपणे वस्तुनिष्ठ स्वरूपाची असते ती भावसत्यांचे प्रकटीकरण करते."
 (A) पूर्वार्ध चूक, उत्तरार्ध बरोबर
 (B) पूर्वार्ध बरोबर, उत्तरार्ध चूक
 (C) संपूर्ण विधान बरोबर
 (D) संपूर्ण विधान चूक
41. पुढीलपैकी कोणता ग्रंथ गद्यग्रंथ नाही ?
 (A) 'पूजावसर' (B) 'ऋद्धिपूर चरित्र'
 (C) 'स्मृतिस्थळ' (D) 'शिशुपालवध'
42. 'नवनीत' हा संपादित काव्यग्रंथ कोणत्या काळात सिद्ध झाला ?
 (A) तेरावे शतक
 (B) अठरावे शतक
 (C) एकोणिसावे शतक
 (D) विसावे शतक
43. 'विद्रोह' हा १९७० च्या दशकातील दलित साहित्याचा जाहीरनामा कोणी प्रसिद्ध केला ?
 (A) दया पवार (B) राजा ढाले
 (C) अर्जुन डांगळे (D) नामदेव ढसाळ
44. पुढील आत्मकथने कालक्रमानुसार लिहा :
 'उपरा', 'उचल्या', 'गबाळ', 'मुक्काम पोस्ट देवाचे गोठणे'
 (A) 'गबाळ', 'मुक्काम पोस्ट देवाचे गोठणे', 'उपरा', 'उचल्या'
 (B) 'मुक्काम पोस्ट देवाचे गोठणे', 'उपरा', 'उचल्या', 'गबाळ'
 (C) 'उपरा', 'उचल्या', 'गबाळ', 'मुक्काम पोस्ट देवाचे गोठणे'
 (D) 'उपरा', 'मुक्काम पोस्ट देवाचे गोठणे', 'उचल्या', 'गबाळ'

45. पुढीलपैकी कोणता शब्द शुद्धलेखनविषयक नियमांस अनुसरून लिहिले ला आहे ?
 (A) दुष्काळपीडित (B) दुष्काळपिडीत
 (C) दुष्काळपिडित (D) दुष्काळपीडीत

पुढील उतारा वाचून त्याखालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा :

कारणानामनेकता (plurality of causes) हे तत्त्व मान्य केल्यास ललित वाङ्मय हे खऱ्या जगाला विसरण्याकरिता आहे (It is an escape from life), खऱ्या जगात जे सुख मिळत नाही ते कल्पनासृष्टीतल्या मनोराज्यात तरी उपभोगू या, अशा भावनेने सेविले जाते, ते केवळ आनंदाकरिता असते, ती एक प्रकारची क्रीडा आहे, ती अफू आहे, इत्यादी प्रा.फडके प्रभृतींच्या मतांचाही एकांगीपणा दिसून येईल. विशिष्ट व्यक्तींच्या मनोवस्थेला ही उपपत्ती बरोबर लागू पडेल; ती सर्वत्र, सर्वदा आणि सर्व व्यक्तींच्या बाबतीत लागू पडेल असे नाही. इतर उपपत्तींचे असेच आहे. मौज अशी आहे की, वाङ्मयाला क्रीडा ठरविणाऱ्या प्रो.फडक्यांनी 'प्रतिभासाधन' नामक आपल्या सुंदर ग्रंथात भाषाशैलीविषयी लिहिताना लेखकाला अंतःकरण पाहिजे, तरच त्याला उत्तम भाषाशैली साध्य करता येईल असे म्हटले आणि वाङ्मय म्हणजे केवळ क्रीडा नव्हे असे सूचित केले आहे. मला वाटते त्याच प्रकरणात त्यांनी 'विचार-सौंदर्या'चा उल्लेख केला आहे. हे सौंदर्य विचारांच्या मांडणीचे असून ते त्यांच्या गहनत्वावर अवलंबून नाही असे ते म्हणतील. अपक्व किंवा अयथार्थ विचारांची मांडणी कितीही सुंदर केली तरी तिने ललित वाङ्मयाचे 'आनंद' हे जे ध्येय ते परिपूर्णतेने साध्य होईल काय ? आणि दोन ललित कृतींत मांडणी सारखीच सुंदर आहे आणि विचारांच्या गहनतेत मात्र मूल्यभेद आहे, तर या ललित कृतींच्या मूल्यमीमांसेत अधिक गुण

गहनविचारात्मक कृतीला प्रो. फडके देणार नाहीत काय ? तसेच कलेचे ध्येय 'आनंद' हे ठरल्यावर या आनंदामध्ये माती किंवा विष कालविणारा भाग ललित वाङ्मयात येणे अप्रशस्त; अर्थात् नैतिक दृष्ट्या आनंदाला कलुषित किंवा शबलित करणारा भाग ललित कृतीला गौणत्व आणणारा आहे हेदेखील प्रो. फडके यांना मान्य करण्यास हरकत नसावी. ज्ञानप्रिय, नीतिप्रिय व कलाप्रिय असे मनाचे तीन भाग आपण मानतो, पण हे विभाग सोयीसाठी कल्पिलेले आहेत एवढेच. वास्तविक हे 'विभाग' विभिन्न नाहीत, तर अन्योन्यसापेक्ष, अन्योन्याश्रयी व अन्योन्यसंस्कारक आहेत. अर्थात एका विभागाचा किंवा अंगाचा विचार करताना इतर अंगांकडे सोयीसाठी दुर्लक्ष करणे वेगळे, आणि दुसऱ्या अंगांना दुखापत झाली व हाय हाय असे उद्गार तोंडातून बाहेर पडू लागले तरी त्या अंगावर बेफिकीर वृत्तीने आणि जाणून उमजून प्रहार करित राहणे निराळे. आता एवढी मात्र गोष्ट खरी की, मनाच्या संसारात कलेला, नीतीला आणि सत्याला एकत्र नांदावयाचे आहे. आणि त्यांची पूर्णावस्थेतील ध्येये सुसंवादी असली तरी अपूर्ण अवस्थेतील ध्येये विशिष्ट मर्यादेनंतर विसंवादी होऊ लागतात, तेव्हा होता होईतो त्यांनी आपापल्या क्षेत्राबाहेर फारसे पाहू नये आणि आपण बरे आणि आपला मार्ग बरा अशी वृत्ति स्वीकारावी. तसेच शेजारधर्म म्हणून होता होईतो दुसऱ्यांशी जुळवून घ्यावयाचे; निदान जाणून उमजून त्याला दुखवावयाचे नाही, यदाकदाचित दुखवावे लागलेच तर अगतिक स्थितीतच, कष्टाने, दुःखी अंतःकरणाने, क्षमायाचनापूर्वक आणि शक्य तेवढ्या अल्प प्रमाणात दुखवायचे, अशी वृत्ती स्वीकारल्यास कलालालसेला, नीतिप्रियतेला आणि सत्यजिज्ञासेला-सर्वानाच हे धोरण हितावह आणि भूषणावह होईल.

46. ललित वाङ्मयाच्या कोणत्या प्रयोजनाचा प्रतिवाद या उताऱ्यात केलेला आहे ?
 (A) केवल आनंद (B) उद्धोधन
 (C) मतपरिवर्तन (D) नीतिप्रचार
47. 'प्रतिभासाधन' या ग्रंथात प्रा. फडके यांनी पुढीलपैकी कशाची चिकित्सा केली आहे ?
 (A) सुंदर विचार
 (B) सुंदर भाषाशैली
 (C) सुंदर व्यक्तिचित्रण
 (D) सुंदर शब्दकळा
48. विचारांची मांडणी आणि त्यांची गहनता यांचा विचार केव्हा अपरिहार्य ठरतो ?
 (A) ललित कृतीचा आस्वाद यथार्थतेने घेताना
 (B) ललित कृतीचे सुस्पष्ट आकलन करून घेताना
 (C) दोन ललित कृतींमध्ये तर-तम-भाव ठरविताना
 (D) ललित कृतीचा अनुवाद करताना
49. मनाचे तीन विभाग कोणते ?
 (A) बेफिकीर, प्रहार करणारे, उदासीन
 (B) अन्योन्यसापेक्ष, अन्योन्याश्रयी व अन्योन्यसंस्कारक
 (C) प्रगट मन, अबोध मन, संस्कारक्षम मन
 (D) ज्ञानप्रिय, नीतिप्रिय व कलाप्रिय
50. कला, नीती आणि सत्य यांचे स्वरूप कसे असते ?
 (A) परस्परसापेक्ष (B) स्वयंभू
 (C) परस्परपूरक (D) स्वयंपूर्ण

Space For Rough Work